चिकित्सीय आपात स्थिति में तटरक्षक द्वारा शीघ्र प्रतिक्रिया

1. समुद्री बचाव समन्वय केंद्र, तटरक्षक मुख्यालय, मुंबई, में तैनात सतर्क परिचालकों ने एक बार पुनः समुद्र में नाविकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की कड़ी में संघाई की वाणिज्य पोत रिकमेर में आई चिकित्सीय आपात स्थिति को संभालने का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। यह घटना मुंबई से 350 किमी दूर 01 अगस्त 17 की दोपहर को घटित हुई। 46 वर्षीय फिलीपींस नागरिक कर्मी मि. पिलायरे गिल लोपेना की कार्य के दौरान उंगलीकुचल गई, फलस्वरूप उनकी हड्डी चटक गई। चिकित्सा आपात के समय पोत सिंगापुर की यात्रा पर था। समुद्री बचाव समन्वय केंद्र मुंबई के नियंत्रक ने पोत को मुंबई बंदरगाह की तरफ मुड़ने का निर्देश दिया तथा मैसर्स आईएसएस शिपिंग के एजेंट के साथ संपर्क किया।

2. इसके दौरान एमआरसीसी के चिकित्सीय दल ने स्वामी को नियमित चिकित्सीय परामर्श तथा उसकी स्थिति की अद्यतन जानकारी प्रदान की। रोगी के विषय में सीमा शुल्क/आप्रवास विभाग से अनापत्ति प्राप्त करने में एजेंट को आवश्यक सहायता प्रदान की गई। भारतीय तटरक्षक ने एजेंट के साथ मिलकर रोगी को कर्षण नौका के माध्यम से मुंबई लंगरगाह पर सुरक्षित उतार दिया गया। पोत 02 अगस्त 17, 0230 बजे मुंबई लंगरगाह पर पहुँची तथा 0730 बजे रोगी को कर्षण नौका से उतारा गया। तत्पश्चात् रोगी को बक्हार्डट अस्पताल, मुंबई में आगे की चिकित्सा के लिए स्थानांतरित कर दिया गया। रोगी की स्थिति में सुधार है।